महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

हिंदी विश्वविद्यालय में पांच करोड़ का बनेगा संग्रहालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने घोषणा की है कि विश्वविद्यालये में पांच करोड़ की लागत से अलग संग्रहालय बनेगा। संग्रहालय के अंतर्गत साहित्य के अलावा मानव शास्त्र, संस्कृति तथा अनेक विषयों से सम्बद्ध संभाग होंगे। कुलपति राय ने यह बात स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में शुक्रवार को हुए एक आयोजन में कही। वे विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कथा सम्मेलन में आए कथाकारों को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर कुलपति राय को प्रसिध्द संग्राहक महेश वाजपेयी ने महादेवी वर्मा की एक दुर्लभ तस्वीर संग्रहालय के लिए भेंट की। इस तस्वीर में महादेवी एक शादी में पुरोहित की भूमिका निभा रही हैं। कथाकार धीरेंद्र अस्थाना और कैलाश बनवासी ने उन्हें अपनी पांडुलिपियां संग्रहालय के लिए सौंपी।

कुलपति राय ने कहा कि पांडुलिपियों में अनेक नए तथ्य ऐसे मिलते हैं जिनके आधार पर सम्बद्ध लेखकों के कृतित्व का नए सिरे से मूल्यांकन किया जा सकता है। पंत ने 'ग्राम्या' की भूमिका की पांडुलिपि में लिखा है कि हमें चरखा के आदर्शवाद को समूल नष्ट करना है! उनके इस कथन के आलोक में उनके कृतित्व को देखें तो नए निष्कर्ष सामने आते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में अपने इतिहास और परंपरा के पदचिन्हों को संजोने का अभाव है। बड़े–बड़े कवि–लेखकों की पांडुलिपियां उपेक्षित पड़ी हैं। उन्हें सुरक्षित किया जाना चाहिए।

संग्रहालय के प्रभारी सुरेश शर्मा ने नए लेखकों से भी अपनी प्रसिद्ध रचनाओं की पांडुलिपियां देने की अपील की। प्रति कुलपति ए. अरविंदाक्षन ने लेखकों से कहा कि अपने संपादन में निकली पत्रिका का पहला अंक वे संग्रहालय को जरूर भेंट करें। इस अवसर पर शिवमूर्ति, वंदना राग, विजेंद्र नारायण सिंह, शैलेन्द्र सागर सहित विश्वविद्यालय के प्रो. रामशरण जोशी, से. रा. यात्री, प्रो. सूरज पालीवाल आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। समारोह का संचालन प्रभारी सुरेश शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रतिकुलपति प्रो. अरविंदाक्षन ने किया।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

फोटो कैप्शन : नं. 0093–कुलपति विभूति नारायण राय को अपनी पांडुलिपि सौंपते हुए कथाकार धीरेन्द्र अस्थाना

नं. 113–स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में कथाकारों को संबोधित करते हुए कुलपति विभूति नारायण राय (फोटोः बी. मिरगे)